रौल नं०......................नाम परीक्षार्थी..

XII-62 अर्द्धवार्षिक वार्षिक परीक्षा सन् 2023–24 A

लेखाशास्त्र – केवल प्रश्न–पत्र

समय – 3.00 घण्टा कक्षा – 12 पूर्णांक –100

नोटः–(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (ii)प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक उसके सम्मुख अंकित है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है)

नोटः–निम्न प्रश्न–खण्डों के सही विकल्प चुनकर अपनी उत्तर–पुस्तिका पर लिखिए:–

1. किस मद को आर्थिक चिट्ठे के संचय और आधिक्य शीर्षक में दिखाया जायेगा :–
   (अ) पूँजी संचय (ब) प्रतिभूति प्रीमियम संचय
   (स) सामान्य संचय (द) ये सभी।
2. साझेदारों में लाभ–हानि का बँटबारा किया जाना चाहिए :–
   (अ) पूँजी के अनुपात में (ब) समान अनुपात में
   (स) साझेदारी संलेख के अनुसार (द) ये सभी।
3. ख्याति के सम्बन्ध में लेखांकन मानक है :–
   (अ) AS-10 (ब) AS-9
   (स) AS-6 (द) AS-2
4. मृतक साझेदार को देय धनराशि का भुगतान किया जाता है :–
   (अ) उसके पिता को (ब) उसकी पत्नी को
   (स) उसके उत्तराधिकारी को (द) उसके मित्र को।
5. एक कम्पनी कितने प्रकार के अंशों का निर्गमन कर सकती है :–
   (अ) तीन (ब) दो
   (स) चार (द) पाँच।
6. ऋण–पत्रों का निर्गमन किया जा सकता है :–
   (अ) सममूल्य पर (ब) कम मूल्य पर
   (स) अधिमूल्य पर (द) उपर्युक्त में से सभी पर।
7. चालू अनुपात आदर्श अनुपात कहलाता है, जब वह हो:–
   (अ) 2:1 (ब) 4:1
   (स) 5:1 (द) 3:1
8. रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार किया जाता है :–
   (अ) आर्थिक चिट्ठे से (ब) लाभ–हानि विवरण से
   (स) अतिरिक्त सूचनाओं से (द) इन सभी से।
9. वसूली खाते के शेष को साझेदारों में बाँटा जाता है :–
   (अ) समान अनुपात में (ब) पूँजी अनुपात में
   (स) लाभ–विभाजन अनुपात में (द) इनमें से कोई नहीं।
10. चालू सम्पत्ति में शामिल नहीं है :–
    (अ) स्टॉक (ब) देनदार
    (स) मशीनरी (द) रोकड़।

(पृष्ठ पलटिए)

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न, प्रत्येक 2 अंक, उत्तर सीमा 50 शब्द)

11. अंशों पर अग्रिम याचना से क्या आशय है?
12. साझेदारी की दो विशेषताएँ बताइए।
13. संचित पूँजी किसे कहते हैं?
14. वसूली खाता किसे कहते हैं?
15. दीर्घ कालीन दायित्व के चार उदाहरण दीजिए।
16. चालू अनुपात क्यों निकाला जाता है?
17. अधिआवेदन किसे कहते हैं?
18. किसी साझेदार के फर्म से अवकाश ग्रहण करने के दो कारण बताइए।
19. ऋण–पत्र की परिभाषा दीजिए।
20. त्याग का अनुपात क्या है?

(लघु उत्तरीय प्रश्न, प्रत्येक 5 अंक– उत्तर सीमा 100 शब्द)

21. अंश और ऋण पत्र में पाँच अन्तर बताइए।
22. अनुपात विश्लेषण के पाँच उद्देश्य बताइए।
23. ख्याति के मूल्यांकन की अधिलाभ विधि को समझाइए।
24. ऋण–पत्र कितने प्रकार के होते हैं?
25. साझेदारी संलेख में लिखी जाने वाली पाँच बातें लिखिए।
26. एक रोकड़ प्रवाह विवरण को तैयार करने के उद्देश्य क्या हैं?

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, प्रत्येक 10 अंक – उत्तर सीमा 150 शब्द)

27. अ, ब और स एक फर्म में साझेदार हैं। वे लाभ–हानि क्रमशः 6/14, 5/14 तथा 3/14 के अनुपात में विभाजित करते हैं। 31 मार्च 2023 को उनका आर्थिक चिट्ठा निम्न प्रकार था :–

दायित्व	धनराशि रु.	सम्पत्तियाँ	धनराशि रु.
संचय	7000	बैंक में रोकड़	8,000
देय विपत्र	6000	स्टॉक	30,000
लेनदार	20,000	देनदार	26,000
पूँजी खाते		भवन	50,000
अ–40000		फर्नीचर	11,000
ब–30,000			
स–22,000	92,000		
	1,25,000		1,25,00

साझेदारों ने द को 1/8 हिस्से के लिये निम्नलिखित शर्तों पर साझेदार बनाने का निर्णय लिया :–

(अ) द रु. 20,000 अपनी पूँजी के लिए तथा रु. 10,000 ख्याति के लिये लाया।
(ब) भवन का मूल्य बढ़ाकर रु. 65,000 कर दिया जाये।
(स) फर्नीचर का मूल्य रु. 2,000 से कम कर दिया जाये।
(द) स्टॉक का मूल्यांकन 10% से कम कर दिया जायेगा।
(य) देनदारों पर रु. 2000 से संदिग्ध ऋण संचिति बनाई जाये।
(र) रु. 1000 अदत्त मरम्मत बिलों की व्यवस्था की जायेगी।

उपर्युक्त विवरण से जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए और नई फर्म का आर्थिक चिट्ठा बनाइए।

अथवा

साझेदारी फर्म के विघटन की विभिन्न विधियों को लिखिए।

28. भारत लि. ने जनता को प्रत्येक रु. 10 वाले 15000 अंश रुपये प्रति अंश प्रीमियम पर क्रय करने के लिये आमंत्रित किया भुगतान निम्न प्रकार होना था:-

आवेदन पर रु. 2 प्रतिअंश।

आवंटन पर रु. 7 प्रति अंश (प्रीमियम सहित)

प्रथम एवं अन्तिम याचना पर रु. 6 प्रति अंश।

समस्त निर्गमित अंशों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुये और संचालक मण्डल द्वारा उनका आवंटन कर दिया गया। 300 अंशों पर याचना राशि प्राप्त नहीं हुई। शेष देय राशियाँ प्राप्त हो गई। इन 300 अंशों का हरण कर लिया गया। कुछ दिनों पश्चात इन अंशों को रु. 9 प्रति अंश पर पूर्वदत्त पुनः निर्गमित कर दिया गया।

उपर्युक्त व्यवहारों के लिये कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित परिस्थितियों में रचना एण्ड कम्पनी की पुस्ताके में जर्नल लेखे कीजिए :-

(अ) रु. 100 वाले 8,000, 9% ऋण-पत्र 5% बट्टे पर निर्गमित किये गये हैं जो सममूल्य पर शोधनीय हैं।

(ब) रु. 100 वाले 4,000, 9% ऋण-पत्र 5% बट्टे पर निर्गमित किये गये है, जो 5% प्रीमियम पर शोधनीय हैं।

(स) रु. 100 वाले 5,000, 9% ऋण-पत्र सम मूल्य पर निर्गमित किये गये हैं, जो 5% अधिमूल्य पर शोधनीय हैं।

(द) रु. 100 वाले 4,500, 9% ऋण-पत्र सममूल्य पर निर्गमित किये गये, जो 5% बट्टे पर शोधनीय हैं।

(य) रु. 100 वाले, 3,500, 9% ऋण-पत्र 5% प्रीमियम पर निर्गमित किये गये, जो समतुल्य पर शोधनीय हैं।

29. निम्नलिखित सूचनाओं के आधार पर शताब्दी लिमिटेड का 31 मार्च, 2023 पर आर्थिक चिट्ठा बनाइए :-

ख्याति रु. 2,00,000, भूमि एवं भवन रु. 2,40,000, देनदार रु. 1,04,000, यंत्र एवं संयंत्र रु. 2,00,000, विनियोग रु. 2,80,000, संचितिकोष रु. 12,000, अंश पूँजी रु. 8,00,000, 10% ऋण पत्र रु. 12,000, लेनदार रु. 2,27,600, मोटरकार रु. 32,000, फर्नीचर रु. 24,000, स्टॉक रु. 1,68,000, रोकड़ रु. 8,000, बैंक रु. 20,000, अवशिष्ट याचनाएँ रु. 32,000, शुद्ध लाभ रु. 1,96,000

(पृष्ठ पलटिए)

समायोजनाएँ :-

(अ) शुद्ध लाभ की गणना भूमि व भवन एवं यंत्र व संयंत्र पर 10% फर्नीचर एवं मोटरकार पर 20% ह्रास काटने तथा देनदारों पर 5% की दर से संदिग्ध ऋणार्थ आयोजन करने के पश्चात की गई है।

(ब) शुद्ध लाभ में से संचित कोष में रु. 20,000 हस्तान्तरित कीजिए।

अथवा

पूर्वाधिकार अंश कितने प्रकार के होते हैं? वर्णन कीजिए।

30. अजय और आलोक एक फर्म में साझेदार हैं जो लाभ-हानि को समान अनुपात में विभाजित करते हैं। उन्होंने 31 मार्च, 2023 को फर्म का विघटन करने का निर्णय लिया। उक्त तिथि पर फर्म का आर्थिक चिट्ठा निम्नवत् था:-

दायित्व	धनराशि रु.	सम्पत्तियाँ	धनराशि रु.
बैंक ऋण	10,000	रोकड़	5,000
विविध लेनदार	17,040	विविध देनदार	18,996
पूँजी		रहतिया	20,491
अजय-20,000		मशीनरी	17,973
आलोक-22,250	42,250	ख्याति	6,830
	69,290		69,290

मशीनरी से रु. 16,055, रहतिया से रु. 20,000 और विविध देनदारों से रु. 18,000 प्राप्त हुये। समापन व्यय रु. 2000 था। बैंक ऋण का भुगतान कर दिया गया। विविध लेनदारों का भुगतान रु. 1040 छूट काटकर किया गया। फर्म की पुस्तकों को बन्द करने के लिये वसूली खाता, साझेदारों के पूँजी खाते और रोकड़ खाता बनाइए।

अथवा

कम्पनी की अंश पूँजी से क्या आशय है? यह कितने प्रकार की होती है?